Conversion of State Highways into N.H. in Himachal Pradesh

*485. SHRI ANIL SHARMA: Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to convert State Highways into National Highways in Himachal Pradesh in view of increase in the number of accidents in the State;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Increase in number of accidents is not a criteria for conversion of State roads into National Highways.

श्री अनिल शर्मा: चेयरमैन सर, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा कि दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि स्टेट हाईवेज को नेशनल हाईवेज में परिवर्तित करने का कोई मापदंड नहीं है, तो मैं माननीय मंत्री जी से यह अनुरोध भी करूंगा और बताना भी चाहूंगा कि हमारा प्रदेश एक पहाड़ी प्रदेश है, हमें तो खुशी है कि मंत्री जी भी पहाड़ी प्रदेश से संबंध रखते हैं और पहाड़ी प्रदेशों की सड़कों के बारे में यह मुझसे ज्यादा जानकारी रखते होंगे तो मैं इनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि हमारा प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से तथा सुरक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री सभापति: आप सवाल कीजिए।

श्री अनिल शर्मा: यह हमारे प्रश्न की ही बात है, मैं माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि जो हमारे नेशनल हाईवेज हैं उनमें दुर्घटनाएं ज्यादा क्यों घटती हैं, वह इसलिए कि सारी डिफेंस की सामग्री, काश्मीर के लिए या चाईना के लिए जो भी है, वह गर्मियों में ही जाती है और इन नेशनल हाइवेज से जाती है। इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी से यह प्रश्न है कि वर्ष 1989 के बाद कितनी सड़कों को नेशनल हाइवे बनाने का अनुरोध प्रदेश सरकार से प्राप्त हुआ है और उसमें सड़कों के लिए कितना धन आवंटित किया गया? अभी 1990 के बाद जो चार सड़कें दी गई हैं उस के लिए हम माननीय प्रधान मंत्री जी के आभारी हैं .... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : आप सवाल कीजिए।

श्री अनिल शर्मा: इसलिए आप बताइये कि कितना धन सड़कों के लिए आवंटित किया गया?

मेजर जनरल (सेवानिवृत) बी०सी० खन्डूरी: सभापति जी, माननीय सदस्य ने जैसे पहले कहा कि पहाड़ी क्षेत्र से अंदर और खास कर जहां पर्यटन की संभावनाएं हैं, वहां ज्यादा नेशनल हाइवेज होने चाहिए तो इससे मैं उनसे सहमत हूं और कोशिश की जाती है कि पिछड़े और पहाड़ी क्षेत्रों में ज्यादा नेशनल हाईवेज बनाए जाएं। जहां तक हिमाचल प्रदेश का प्रश्न है तो मैं उनकी जानकारी में लाना चाहता हूं कि उनके पास 1188 किलोमीटर नेशनल हाईवे है और नौंवी पंचवर्षीय योजना में 344 किलोमीटर जोड़ा गया है, जो कि किसी एक पंचवर्षीय योजना में करीब 40 परसेंट की बढ़ोत्तरी है। पूरे राष्ट्र की नेशनल हाईवजे की जो लंबाई है उसकी दो प्रतिशत से ज्यादा आपके प्रदेश में है, जबकि जनसंख्या के आधार पर आपका सिर्फ प्वाइंट 65 परसेंट ही बनता है। इसलिए आपके प्रदेश के साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। जहां तक इन्होंने कहा कि कितने प्रोपोजल आए हैं तो हमारे पास पांच प्रोपोजल आए थे, वे उस समय कुछ कारणों से स्वीकार नहीं हुए। स्टेट हाईवे से नेशनल हाईवे बनाने के लिए हमने 11 क्राइटीरिया अर्थात् 11 मानक बनाए हुए हैं। उनमें प्रदेश की जो सड़कें फिट होती हैं, उन्हें हम लेते हैं और पिछले एक साल के अंदर पांच हजार से ज्यादा किलोमीटर सड़कें हमने ली हैं।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Vigilance cases against bureaucrats and politicians

*481. SHRI S. AGNIRAJ: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) how many cases of vigilance/corruption have been registered against the high ranking bureaucrats and politicians during the last three years;

(b) how many have been chargesheeted, so far;

(c) how many have been awarded punishment; and

(d) the steps that have been taken to speed up such cases?

THE MINISTER OF STATE OF DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING AND DEPARTMENT OF